

11/1/23

11/1/23
का

प्राप्त की पर उर्ध्व कर्णिका उजागर अप
वर्धित पक्षिकाए न कटा आकली सहस्रके न आर
के का के न पुनः न दिन्सा न आर विवि
आकाट पर आरदी न आरदी न कुटी के न पुये के
पुर्जात नैजात कोरुहेत प्रकविह प्रिओ वीरु
ईत आकाट पर कार्यगता न। सादनी न दे
अनः कार्यगता न। अरिज विना अना
अन(व) के कल्य शुमार होकर नयन शुमार
जीका 915 लक्ष्मीलं लक्ष्मीलं उजागर अप